Theme: Leading Community Partnership for School Transformation

Rajendra Kumar Choudhary
Incharge Principal
PM SHRI Government Inter College Kasampur, Haridwar, Uttarakhand
Email id: principalgickasampur@gmail.com
Mobile no.: 8755579555/ 8958840055

छात्र नामांकन, संसाधन एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

राजेन्द्र कुमार चौधरी
पी0एम0 श्री राजकीय इंटर कॉलेज कासमपुर बहादराबाद हरिद्वार

भारत के शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़े 112 जनपदों में से हरिद्वार भी अभिलाषी जनपद है जनपद हरिद्वार के अंतर्गत विकासखंड बहादराबाद आकांक्षी ब्लॉक के अंतर्गत आता है विकासखंड बहादराबाद के ही अति पिछड़ा क्षेत्र में पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज कासमपुर स्थित है जो की अल्पसंख्यक समुदाय क्षेत्र में आता है जहां बालक बालिकाओं के साथ–साथ समुदाय की शिक्षा भी न्यून थी बालिकाएं कक्षा 5 तक प्राथमिक शिक्षा व मदरसा में प्राप्त शिक्षा के बाद पढ़ना छोड़ देती थी तो वहीं बालक कक्षा 8 उत्तीर्ण करने के उपरांत या तो मदरसे में अध्ययन हेतु अन्यत्र चले जाते थे अथवा अभिभावक बच्चों को काम सीखने के लिए किसी अन्य मिस्त्री, फैक्ट्री आदि जगह पर छोड़ देते थे ताकि वह काम सीखकर अपना कोई रोजगार प्राप्त कर सकें।

शुरुआत के समय पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज कासमपुर में कक्षा 9 से कक्षा 12 तक ही कक्षाएं संचालित हो रही थी क्योंकि कक्षा 8 तक बालक उच्च प्राथमिक विद्यालय अथवा मदरसा में ही अध्ययनरत करते थे। तत्कालीन विद्यालय अनेक समस्याओं से जूझ रहा था जैसे पर्याप्त भवन का अभाव, छात्र–छात्राओं के लिए फर्नीचर का भाव, विद्युत संयोजन न होना, न्यनू छात्र–छात्रा नामांकन, निम्न अकादमिक उपलब्धि, विद्यालय के कार्य हेतु समुदाय का सहयोग न करना, छात्र–छात्राओं द्वारा पाठ्येत्तर गतिविधियों एवं पाठयक्रम गतिविधियों में प्रतिभाग न करना, छात्र–छात्राओं की न्यून उपस्थित, कम छात्र संख्या के कारण विद्यालय में अनुदान की कमी, पेयजल एवं शौचालयों का अभाव, सरकारी संपत्ति एवं सरकारी अध्यापकों के प्रति सम्मान की भावना न होना, समुदाय का छात्रों के साथ–साथ ही छात्राओं के प्रति शिक्षा के प्रति जागरूक न होना, छात्र–छात्राओं का गणवेश में विद्यालय में उपस्थित न होना, छात्र–छात्राओं का विलंब से विद्यालय पहुंचना एवं किसी न किसी बहाने मध्यांतर के उपरांत घर चले जाना, समुदाय एवं छात्र–छात्राओं का विद्यालय से जुडाव न होना आदि।

2016 में विद्यालय में स्थानांतरण होने के उपरांत मैंने पदभार ग्रहण करते ही उक्त समस्याओं के समाधान हेतु अन्य शिक्षक साथियों के साथ कार्य योजना बनाकर टीमवर्क प्रारंभ किया जिसमें हमारे द्वारा विद्यालय में छात्र–छात्राओं के नामांकन में वृद्धि एवं अनुशासन बनाए जाने पर प्रथम प्रयास किया गया घर–घर जाकर अभिभावकों एवं समुदाय के गणमान्य व्यक्तियों प्रधान क्षेत्र पंचायत जिला पंचायत आदि गणमान्य व्यक्तियों का सहयोग लेते हुए नामांकन में वृद्धि हेतु प्रयास किया जिसके लिए सेवित क्षेत्र के सभी गांव एवं वार्ड के आधार पर प्रवेश से वंचित छात्र–छात्राओं के अभिभावकों से संपर्क किया तथा छात्रों के साथ–साथ छात्रों के नामांकन हेतु अभिभावकों को तैयार किया।

वर्ष 2017 में मेरे द्वारा विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य के रूप में अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए पंचांग के आधार पर विद्यालय का अपना पंचांग तैयार किया गया जिसमें प्रत्येक सप्ताह एवं माह संपन्न की जाने वाली गतिविधियों को सम्मिलित किया गया विद्यालय की SIP तैयार की गई जिसमें विद्यालय की प्राथमिकताओं का उल्लेख करते हुए उनको कैसे प्राप्त किया जा सकता है इसका उल्लेख भी किया गया, जिस हेतु हमारी टीम के द्वारा आसपास के समस्त गांव में नामांकन कैंप का आयोजन किया गया छात्र–छात्राओं के जो भी प्रमाण पत्र उपलब्ध हो सके उन्हीं के आधार पर प्रवेश देकर शेष प्रमाण पत्र को बाद में तैयार कराकर एकत्र किया विभाग एवं अन्य विभागों द्वारा छात्र–छात्राओं के हित में उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी अभिभावकों को उपलब्ध कराई गई छात्र–छात्राओं को तथा उनके अभिभावकों को विद्यालय तक आमंत्रित करने के लिए विद्यालय में बेटी बचाओ बेटी बड़ा थीम के आधार पर मुशायरा का आयोजन किया गया जिसमें जनपद हरिद्वार के समस्त शासकीय व अशासकीय विद्यालयों के कक्षा 12 तक के छात्र–छात्राओं को प्रतिभागी के रूप में आमंत्रित किया गया ताकि अधिक से अधिक छात्र–छात्राएं एवं

अभिभावक विद्यालय तक पहुंच सके तथा हम अपनी उद्देश्य प्राप्ति हेतु छात्र–छात्राओं के साथ–साथ अभिभावकों को भी शिक्षा एवं सरकार द्वारा संचालित समस्त समस्त योजनाओं की जानकारी अभिभावकों को उपलब्ध करा सकें इसके लिए गणमान्य ने कवियों एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं विधायकों को आमंत्रित किया गया इसके उपरांत विद्यालय में शिक्षा चेतना अभियान चलाया गया जिसमें छात्रों के साथ–साथ महिलाओं को भी आमंत्रित किया गया जिलाधिकारी महोदय एवं मुख्य विकास अधिकारी महोदय से मिलकर क्षेत्र में कम्युनिटी मोबिलाइजेशन हेतु रथ यात्रा चलाई गई जिसके माध्यम से छात्र–छात्राओं अभिभावकों एवं सभी क्षेत्र के व्यक्तियों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया इसका परिणाम यह हुआ कि विद्यालय में छात्रों के साथ–साथ छात्राओं के नामांकन में भी वृद्धि हुई।

नामांकन में वृद्धि के साथ–साथ हमारी दूसरी वरीयता अनुशासन एवं पठन–पाठन को सुचारू रूप से संचालित करने पर थी जिसमें विभाग की ओर से गणवेश में प्राप्त धनराशि से छात्र–छात्राओं को गणवेश वितरित किए गए कक्षा 9 से 12 तक के वैसे छात्र जो अत्यंत गरीब एवं पिछड़े थे उनको समुदाय के सहयोग से गणवेश वितरित किया गया ताकि सभी छात्र–छात्राएं गणेश में अनुशासित रूप से समय पर विद्यालय पहुंच सके। साथ ही विद्यालय के भौतिक संसाधनों पर फोकस किया गया। विद्यालय में मात्र 20 छात्र–छात्राओं हेतु ही फर्नीचर उपलब्ध था शेष छात्र–छात्राएं टाट पट्टी पर बैठकर अध्ययन करते थे जिससें सभी छात्र–छात्राओं को असुविधा होती थी। इस हेतु हैवेल्स कंपनी का सहयोग लिया गया तथा सभी छात्र–छात्राओं हेतु फर्नीचर की व्यवस्था की गई छात्र–छात्राओं को पीने योग्य पानी उपलब्ध कराने के लिए उप जिलाधिकारी महोदय से मिलकर एवं समुदाय के सहयोग से वाटर कूलर एवं वॉटर प्यूरीफायर की व्यवस्था की गई ताकि छात्र–छात्राओं को पीने योग्य पेयजल उपलब्ध कराया जा सके इसके साथ ही हेल्थ एवं हाइजीन को ध्यान में रखते हुए छात्र–छात्राओं को जागरूक किया गया एवं स्वच्छता की ओर सभी का ध्यान आकर्षित किया इसी के साथ शौचालय के समुचित प्रयोग हेतु समस्त व्यवस्थाएं की गई बालिकाओं हेतु सेनेटरी वेंडिंग मशीन विद्यालय में लगवाई गई ताकि छात्रों के साथ–साथ छात्रों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जा सके।

विद्यालय में नियमित रूप से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाने लगा प्रार्थना सभा से लेकर शाम को की जाने वाली उपस्थिति और दिन प्रतिदिन की समस्त गतिविधियों का मूल्यांकन करते हुए अभिभावकों के साथ अनुभवों को साझा किया जाने लगा तथा अभिभावक भी अब विद्यालय की गतिविधियों में अपना सकारात्मक सहयोग देने लगे इसके उपरांत हमारी वरीयता प्रयोगात्मक विषय हेतु प्रयोग सामग्री उपलब्ध कराना था इसके लिए विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई निधि के साथ–साथ समुदाय का सहयोग भी लिया गया तथा स्वयं मेरे द्वारा भी विभिन्न विद्यालयों से पुराने एवं खराब उपकरण लिए गए जिनको भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला में पुनः उनकी मरम्मत करते हुए उनको सुचारु किया गया ताकि विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राएं सैद्धांतिक के साथ–साथ प्रयोगात्मक जानकारी भी हासिल कर सकें इसी प्रकार जीव विज्ञान एवं रसायन

विज्ञान की प्रयोगशाला हेतु भी सामग्री विषय अध्यापक एवं छात्रों को उपलब्ध कराई गई प्रत्येक मा विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं जन जागरूकता हेतु पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिताओं के साथ–साथ विभिन्न रेलिया का आयोजन भी विद्यालय में किया गया साथ ही साथ पुस्तकालय में पुस्तक बैंक की स्थापना की गई जिसमें 50 पुस्तक मेरी ओर से ही पुस्तक बैंक में उपलब्ध कराई गई इसी प्रकारपुस्तकालय में विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई पुस्तकों को नियमित रूप से छात्र–छात्राओं को उपलब्ध कराया जाने लगा जिससे परीक्षा फल एवं शिक्षा गुणवत्ता में सुधार हुआ छात्र–छात्राओं को नियमित रूप से खेलने हेतु खेल सामग्री उपलब्ध कराई गई

जिसके लिए विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए धन्नाशी का 7ः उपयोग सुनिश्चित करते हुए समुदाय से भी सहयोग प्राप्त किया गया जिसका परिणाम प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय के छात्र–छात्राओं के द्वारा प्रतिभा के रूप में सामने आया विभिन्न गतिविधियों में विद्यालय में स्काउट गाइड यूनिट की स्थापना की गई साथ ही साथ एनएसएस इकाई के गठन हेतु भी प्रयास करते हुए एनएसएस इकाई का गठन भी किया गया विद्यालय में छात्र–छात्राओं को शिक्षक एवं पाठयक्रम गतिविधियों हेतु समुचित वातावरण उपलब्ध कराया गया जिससे विज्ञान एवं अन्य प्रतियोगिताओं में भी छात्र–छात्राएं राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर प्रतिभा करने लगे छात्र–छात्राओं के साथ–साथ अभिभावकों में भी उत्साह का माहौल था अब हमारा जो उद्देश्य था वह छात्र–छात्राओं का विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं एवं स्कॉलरशिप में प्रतिभा करते हुए इसको स्कॉलरशिप प्रदान करना था इसके लिए छात्र–छात्राओं को तैयारी करने के साथ–साथ उचित मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया जिससे छात्र–छात्राएं एनटीएस एमएमएस मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति प्रतियोगिता के साथ–साथ वोडाफोन इंडिया फाउंडेशन में भी स्कॉलरशिप हेतु चयनित हुए जो की कोरोना कल एवं वर्तमान में जहां सब कुछ डिजिटल रूप में संपन्न हो रहा है वहीं विद्यालय ने भी इस हेतु प्रयास किया तथा विद्यालय में विभाग एवं सर के माध्यम से पांच स्मार्ट कक्षाएं स्थापित की साथ ही साथ विद्यालय में अटल टिंकरिंग लैब की स्थापना हेतु प्रयास किया गया तथा केंद्र सरकार द्वारा सीधे विद्यालय को अटल टिंकरिंग लैब उपलब्ध कराई गई जिसका सभी छात्र–छात्राओं के द्वारा प्रयोग किया जा रहा है वर्तमान में विद्यालय समस्त सुविधाओ से सुसज्जित है एवं समस्त भौतिक संसाधन विद्यालय में छात्र–छात्राओं हेतु उपलब्ध हैं जिसके आधार पर विद्यालय को प्रथम चरण में ही पीएम श्री विद्यालयों की सूची में सम्मिलित कर लिया गया था वर्तमान में भी विभिन्न योजनाएं हेतु विद्यालय में प्रयास किया जा रहे हैं जैसे पक्की सड़क समेकित प्रयोगशाला अतिरिक्त कक्षा कक्ष, चारदीवारी, ऑन ग्रिड सोलर पैनल, एनसीसी आदि योजना पर वर्तमान में कार्य चल रहा है।

<u>प्रतिभा दिवस का प्रभावी आयोजन –</u>

विभाग द्वारा निर्देशित व निर्धारित पंचाग के अनुसार विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय में प्रत्येक प्रतिभा दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये, जिसमें मेरे द्वारा समस्त गतिविधियों में पूर्ण सक्रिय सहयोग किया गया। कतिपय मुख्य गतिविधियों में सहयोग का विवरण निम्नलिखित है–

- प्रथम मातृ सम्मेलन के आयोजन के लिए घर घर जाकर अल्पसंख्यक समाज की माताओं को विद्यालय में प्रतिभाग हेतु प्रेरित किया, जिससे माताओं ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मातृ सम्मेलन में छात्र छात्राओं की स्वच्छता संबंधी गतिविधयों पर चर्चा की। माताओं को अपने पाल्यों को प्रतिदिन दांत साफ कर, नहलाकर, साफ स्कूल यूनिफार्म में विद्यालय भेजने के लिये प्रेरित किया।
- विद्यार्थियों को घर, विद्यालय, गॉव की स्वच्छता का महत्व बताया गया । स्वच्छता के अभाव में गर्मी व वर्षा में होने वाले विभिन्न रोग जैसे डायरिया, पेचिश उल्टी दस्त चेचक व त्वचा संबंधी रोग आदि के विषय में बताया।
- विद्यार्थियों को कार्यकारी मॉडल के द्वारा मौसम परिवर्तन की जानकारी दी गयी।
- विद्यार्थियों को वर्षा के कारण होने वाली आपदा से बचाव के उपाय बताने के लिए जिला आपदा प्रबन्धन अधिकारी व टीम को आपदा सुरक्षा प्रशिक्षण हेतु आमंत्रित किया गया।
- ईको क्लब के माध्यम से वृक्षारोपण कराया गया।
- सडक सुरक्षा एवं नशामुक्ति हेतु चित्रकला प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता तथा रैलियों का विद्यालय स्तर से लेकर जनपद स्तर तक आयोजन किया गया।
- सभी छात्र–छात्राओ को अटल टिकरिंग लैब के माध्यम से यूनीक आइडिया पर कार्य करने का अवसर प्रदान किया जाता है।
- राष्ट्रीय बालिका दिवस का प्रभावी आयोजन हेतु मुख्य विकास अधिकारी, हरिद्वार को उद्‌बोधन के लिए आमंत्रित किया गया था।
- डी.एल.एड के जिला सह नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करते हुए गणतंत्र दिवस पर डी.एल.एड प्रशिक्षुओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कराये गये।
- स्वतंत्रता दिवस पर ग्राम व क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को विद्यालय में आमंत्रित किया गया।

<u>छात्रों के शंका (Doubt clearing), व विषयगत समस्या समाधान –</u>

इस हेतु निम्नलिखित गतिविधियां की गयीं–

- ई– कन्टेंट एवं आई सी टी का उपयोग कर विषय संबंधी संप्रत्ययों के थ्री डी मॉडल दिखाया।

- कार्यकारी मॉडल बनवाकर छात्रों को स्वयं जिज्ञासा समाधान हेतु प्रेरित किया।
- अटल टिंकरिंग लैब द्वारा विज्ञान मॉडल दिखाकर व बनवाकर विद्यार्थियों की शंका समाधान।
- एस्ट्रोनॉमी क्लब के माध्यम से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक प्रतिभा उत्पन्न करने का प्रयास किया।
- भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला के द्वारा सैद्धान्तिक सूत्रों को स्पष्ट कराया गया।

कक्षा की तैयारी हेतु पूर्व संबोधों का प्रभावी शिक्षण(मिशन कोशिश) –

- भौतिक विज्ञान के प्रभावी शिक्षण के लिए कक्षा 10 एवं कक्षा 11 उत्तीर्ण विद्यार्थियों को विज्ञान व गणित के पूर्व संबोधों की पुनरावृत्ति व शंका समाधान आवश्यकतानुसार कराया जाता है।

विद्यालय में अपने विषय से संबंधी नवाचारी शिक्षण हेतु कृत कियाकलाप –

- नवाचारी शिक्षण के अन्तर्गत विद्यार्थियों को भौतिक विज्ञान के सिद्धान्तों का अनुप्रयोग सिखाया गया
- इस हेतु छात्र–छात्राओं से प्रयोगशाला में आई सी टी का उपयोग कर विषय संबंधी संप्रत्ययों के थ्री डी मॉडल कार्यकारी /वर्किंग मॉडल तैयार कराये गये।
- तकनीकी ज्ञान में वृद्धि के लिए घरेलू परिपथ निर्माण, इनवर्टर, स्टैबलाइजर एल ई डी बल्बों को ठीक करना सिखाया गया।
- प्रयोगशाला के उपकरणों का शिक्षण अधिगम सामग्री (TLM) के रूप में उपयोग किया गया।
- अटल टिंकरिंग लैब में रोबोटिक्स / विज्ञान मॉडल बनवाकर विद्यार्थियों की सृजनात्मक व वैज्ञानिक अभिवृत्ति का विकास किया गया।
- एस्ट्रोनॉमी क्लब के माध्यम से विद्यार्थियों में विषयगत रूचि में वृद्धि व वैज्ञानिक प्रतिभा उत्पन्न करने का प्रयास किया गया।

सुधारात्मक शिक्षण –

विगत वर्षों में अर्द्ध वार्षिक परीक्षा या प्री बोर्ड परीक्षा के बाद परीक्षा के आधार पर कमजोर विद्यार्थियों की पहचाान की गयी, फिर विद्यालय समय के उपरान्त व शीतकालीन अवकाश में उपचारात्मक शिक्षण किया गया। उपचारात्मक शिक्षण हेतु आई सी टी (ICT) व शिक्षण अधिगम

सामग्री (TLM) का उपयोग किया गयज्ञं

2021 – 2022 में 13 छात्र–छात्राओं को व 2022–23 में दो छात्र–छात्राओं को Vodafone Idea VI छात्रवृत्ति उपलब्ध करवाई गयी।